साप्ताहिक
बुलंद गोंदिया
खबरों का आईना

प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** । संपादक : **नवीन अग्रवाल**

E-mail : **bulandgondia@gmail.com** | E-paper : **bulandgondia.net** | Office Contact No.: **7670079009** | **RNI NO. MAH-HIN-2020/84319**

वर्ष : 6 | अंक : 28 | गोंदिया : गुरुवार, दि. 19 फरवरी से 25 फरवरी 2026 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : रु. 5

रबी सीजन में किसानों को बिजली समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा - ऊर्जा राज्यमंत्री मेघना बोर्डीकर

बुलंद गोंदिया-जिले के किसानों को इस वर्ष रबी सीजन में बिजली से जुड़ी किसी भी प्रकार की समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा, ऐसी गारंटी राज्य की ऊर्जा राज्यमंत्री मेघना बोर्डीकर ने दी। वे देवरी-चिचगढ़ क्षेत्र में 132/33 केवी उपकेंद्र के भूमिपूजन समारोह में बोल रही थीं।

इस अवसर पर विधान परिषद सदस्य डॉ. परिणय फुके, आमगांव-देवरी विधानसभा क्षेत्र के विधायक संजय पुराम, जिला परिषद अध्यक्ष लायकराम भेंडारकर, नगराध्यक्ष संजय उके, जिलाधिकारी प्रजित नायर, मुख्य कार्यकारी अधिकारी एम. मुरुगानंथम, महापारेषण के मुख्य अभियंता सतीश अणे तथा अन्य अधिकारी और बड़ी संख्या में किसान, विद्यार्थी व नागरिक उपस्थित थे।

राज्यमंत्री बोर्डीकर ने कहा कि स्थानीय किसानों को 24 घंटे निर्बाध बिजली उपलब्ध कराने तथा विद्यार्थियों को बेहतर सुविधा देने के उद्देश्य से यह उपकेंद्र अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने आश्वासन दिया कि यह परियोजना एक वर्ष के भीतर पूर्ण कर चालू की जाएगी और सरकार पूरा सहयोग देगी।

उन्होंने कहा कि देश भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है और महाराष्ट्र इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। नरेंद्र मोदी और देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में राज्य विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई 'मुख्यमंत्री कृषि वाहिनी योजना' के अंतर्गत किसानों को सौर ऊर्जा पंप उपलब्ध कराए जा रहे हैं। अब तक राज्य में 16,000 सौर पंप लगाए जा चुके हैं। किसानों को आवेदन के 120 दिनों के भीतर सौर पंप उपलब्ध कराना अनिवार्य किया गया है। साथ ही, गर्मी के मौसम में ट्रांसमिशन खराबी होने पर 48 घंटे के भीतर मरम्मत करने के निर्देश भी बिजली विभाग को दिए गए हैं।

उन्होंने किसानों से कृषि पूरक व्यवसायों तथा स्टार्टअप योजनाओं का लाभ उठाने का आह्वान किया। देवरी क्षेत्र आदिवासी बहुल होने से यहां रोजगार के अवसर कम हैं, इसलिए यहां इथेनॉल परियोजना लाकर स्थानीय युवाओं को रोजगार देने का प्रयास किया गया है।

डॉ. परिणय फुके ने कहा कि इस उपकेंद्र के शुरू होने से गर्मियों में होने वाली बिजली समस्या काफी हद तक दूर होगी। साथ ही पानीपुरवठा योजना, गाळमुक्त धरण योजना तथा समृद्धी महामार्ग को भंडारा, गोंदिया और गडचिरोली तक विस्तारित करने के प्रयास जारी हैं, जिससे क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

विधायक संजय पुराम ने कहा कि क्षेत्र के किसानों की वर्षों पुरानी मांग आज पूरी हुई है और किसानों को प्रतिदिन कम से कम 12 घंटे बिजली उपलब्ध कराई जानी चाहिए।

132/33 केवी देवरी उपकेंद्र की विशेषताएं

इस उपकेंद्र के चालू होने से देवरी, चिचगढ़, कोरची, एमआईडीसी, मुल्ला व साखरीटोला सहित आसपास के गांवों को लाभ मिलेगा। 33 केवी लाइनों की लंबाई कम होने से वोल्टेज की समस्या में सुधार होगा, बिजली आपूर्ति अधिक स्थिर और विश्वसनीय बनेगी तथा कृषि और औद्योगिक विकास को गति मिलेगी। यह परियोजना 25 फरवरी 2027 तक पूर्ण कर शुरू करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की संकल्पना 5 वर्ष में गोंदिया में 8000 ग्रामीण और आदिवासी परिवारों को मज़बूत बनाने का लक्ष्य

'नीव' प्रकल्प जिलाधिकारी की उपस्थिती में सामंजस्य करार

बुलंद गोंदिया। गोंदिया जिला प्रशासन और प्रधान ऑर्गनाइज़ेशन के बीच पांच साल के 'NEEV' (विदर्भ में समान सशक्तिकरण और आजीविका को बढ़ावा देना) प्रोजेक्ट (2025-2030) को लागू करने के लिए एक मेमोरेंडम ऑफ़ अंडरस्टैंडिंग पर साइन हुए हैं। यह प्रोजेक्ट टाटा ट्रस्ट के साथ मिलकर लागू किया जाएगा, और यह मुख्यमंत्री दवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में महाराष्ट्र सरकार द्वारा बनाए गए विदर्भ कॉन्सेप्ट के मुताबिक है।

जिलाधिकारी प्रजीत नायर और प्रधान ऑर्गनाइज़ेशन के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर सरोज महापात्रा ने जिला प्रशासन की ओर से एग्रीमेंट पर साइन किए। इस समय डॉ. हर्ष वशिष्ठ, कुंतल मुखर्जी और दिगंबर चौधरी मौजूद थे।

इस प्रोजेक्ट के तहत, गोंदिया जिले के 8000 ग्रामीण और आदिवासी परिवारों को सीधा फायदा मिलेगा, जो प्रोजेक्ट के कुल मकसद का आधा है। यह प्रोजेक्ट रीजेनरेटिव खेती के तरीकों, पानी बचाने और पानी के रिसोर्स के डेवलपमेंट, जंगल से जुड़ी रोजी-रोटी, पशुपालन और मछली पालन, महिलाओं के नेतृत्व वाली संस्थाओं को मजबूत करने और ग्राम पंचायत प्लानिंग प्रोसेस को मजबूत करने पर खास जोर देगा।

इस प्रोजेक्ट का मकसद क्लाइमेट चेंज के हालात में सस्टेनेबल खेती और नेचुरल रिसोर्स मैनेजमेंट के ज़रिए ग्रामीण इकॉनमी को मजबूत बनाना है। इसका मकसद ग्राम पंचायत लेवल पर प्लानिंग सिस्टम को मजबूत करके लोकल सेल्फ-गवर्नमेंट संस्थाओं की भूमिका को और असरदार बनाना भी है। यह प्रोजेक्ट अगले पांच सालों में गोंदिया जिले में सस्टेनेबल रोजी-रोटी पाने, लोकल सेल्फ-गवर्नमेंट संस्थाओं को मजबूत करने और इनक्लूसिव ग्रामीण डेवलपमेंट की दिशा में एक अहम कदम होगा।

जिले के प्रत्येक शासकीय चिकित्सालयों में पैलिएटिव केयर सर्विस-डॉ. अभिजीत गोल्हार

बुलंद गोंदिया। राज्य में कैंसर, दिल की बीमारी, डायबिटीज और उम्र से जुड़ी बीमारियों के मामले तेज़ी से बढ़ रहे हैं। ऐसी गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीज़ों को न सिर्फ़ इलाज, बल्कि साइकोलॉजिकल सपोर्ट और दर्द से राहत की भी बहुत ज़रूरत है। इस ज़रूरत को समझते हुए जिला स्वास्थ अधिकारी डॉ. अभिजीत गोल्हार ने बताया कि अब ज़िले के हर सरकारी हॉस्पिटल में पैलिएटिव केयर (पैलिएटिव ट्रीटमेंट) सर्विस ज़रूरी कर दी गई है।

दर्द से परेशान मरीज़ों के लिए बड़ी राहत

डॉ. गोल्हार ने कहा, मरीज़ अक्सर दर्द और मेंटल स्ट्रेस में जीते हैं। मरीज़ ज़िंदा रहे के छोटे नज़रिए से आगे बढ़कर, इस पहल का मुख्य मकसद यह है कि मरीज़ इज़्ज़त से और बिना दर्द के जी सके। यह स्कीम नज़रअंदाज़ किए गए और ज़रूरतमंद मरीज़ों के लिए सरकार की एक बड़ी गारंटी होगी।

सर्विस की खास बातें

सभी लेवल पर उपलब्धता- यह सर्विस सिर्फ़ ज़िला अस्पतालों में ही नहीं, बल्कि उप जिला अस्पतालों, ग्रामीण अस्पतालों, प्राइमरी हेल्थ सेंटर और हेल्थ एक्सटेंशन सेंटर में भी उपलब्ध होगी।

बेड का रिज़र्वेशन- ज़िला-अस्पतालों में इस सर्विस के लिए कम से कम 4 से 6 बेड रिज़र्व किए जाएँगे। किसी भी ज़रूरतमंद मरीज़ को बेड नहीं है कहकर रिजेक्ट नहीं किया जाएगा।

दवाओं की उपलब्धता- सबसे ज़रूरी फ़ैसला यह है कि मॉर्फ़ीन जैसी असरदार पेनकिलर अब सीधे प्राइमरी हेल्थ सेंटर पर उपलब्ध कराई जाएँगी। ग्रामीण इलाकों के मरीज़ों को अब इन दवाओं के लिए ज़िला अस्पताल जाने की ज़रूरत नहीं होगी।

कई तरह का इलाज- इसमें 24 घंटे नर्सिंग केयर, काउंसलिंग, फ़िज़ियोथेरेपी और ज़रूरत के हिसाब से घर पर विज़िट शामिल होंगे।

सिर्फ़ अंतिम समय की सेवा नहीं

पैलिएटिव केयर को लेकर कन्फ़्यूज़न दूर करते हुए, डॉ.गोल्हारने कहा कि यह सर्विस सिर्फ़ ज़िंदगी के आखिरी मिनट तक सीमित नहीं है। यह एक असरदार मेडिकल सिस्टम है जो मरीज़ को डायग्नोसिस से लेकर इलाज तक के पूरे सफ़र में फिजिकल पेन कंट्रोल, साइकोसोशल सपोर्ट और फैमिली काउंसलिंग देता है।एडमिनिस्ट्रेशन ने साफ़ मैसेज दिया है कि अब कोई भी हॉस्पिटल यह नहीं कह सकता, इलाज हो गया, लेकिन दर्द हमारी ज़िम्मेदारी से बाहर है। डॉ. अभिजीत गोल्हर ने ज़्यादा से ज़्यादा लोगों से इस सर्विस का फ़ायदा उठाने की अपील की है।

जिला वार्षिक योजना के प्रारूप में निधि वृद्धि की मांग

राज्यस्तरीय बैठक में पालकमंत्री ने मुख्यमंत्री से की अतिरिक्त निधि की मांग

बुलंद गोंदिया। जिले में सार्वजनिक स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल आपूर्ति, ऊर्जा एवं अपारंपरिक ऊर्जा विकास तथा महिला एवं बाल विकास विभाग की मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए अतिरिक्त निधि की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए वर्ष 2026-27 के लिए जिला वार्षिक योजना के प्रारूप में निधि बढ़ाने की मांग गोंदिया जिले की ओर से की गई है।

मुख्यमंत्री तथा वित्त एवं नियोजन मंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में मुंबई में जिला वार्षिक योजना के अंतिम प्रारूप को लेकर राज्यस्तरीय बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में जिले के पालकमंत्री इंद्रनील नाईक दूरदृश्य प्रणाली के माध्यम से उपस्थित रहे और जिले के लिए अतिरिक्त निधि की मांग रखी।गोंदिया से जिलाधिकारी प्रजित नायर, मुख्य कार्यकारी अधिकारी एम. मुरुगनांथम तथा जिला नियोजन अधिकारी श्री मुरलीनाथ वाडेकर भी बैठक में उपस्थित थे।वित्तीय वर्ष 2025-26 में सामान्य जिला वार्षिक योजना अंतर्गत जिले को 298 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए थे। आगामी वर्ष में विकास कार्यों के लिए इस निधि में वृद्धि की अपेक्षा व्यक्त की गई है।

शिक्षा विभाग के अंतर्गत कक्षाओं की मरम्मत, नई कक्षाओं का निर्माण, रंगरोगन, फर्नीचर तथा शौचालय निर्माण हेतु निधि की आवश्यकता है। वहीं सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग के तहत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, ओपीडी, जिला स्वास्थ्य प्रणाली और शल्य चिकित्सा सेवाओं को मजबूत करने के लिए भी अतिरिक्त निधि की मांग की गई। महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत भवनों की मरम्मत व नए भवनों के निर्माण जैसी आधारभूत सुविधाओं के लिए भी विशेष प्रावधान आवश्यक बताया गया।इसके अतिरिक्त ऊर्जा एवं अपारंपरिक ऊर्जा, वन, व्यावसायिक शिक्षा, वैद्यकीय शिक्षा, नगर विकास, परिवहन, पर्यटन, ग्रामीण विकास, तकनीकी शिक्षा, खेल एवं युवा कल्याण, पेयजल एवं स्वच्छता, पिछड़ा वर्ग कल्याण, लघु सिंचाई, प्रशासनिक सुदृढ़ीकरण, आपदा प्रबंधन तथा गृह व पुलिस विभागों के उन्नयन के लिए कुल 295 करोड़ रुपये की अतिरिक्त निधि की आवश्यकता जताई गई। यह निधि उपलब्ध होने पर जिले के नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी।राज्य वित्त मंत्री आशीष जयस्वाल ने पूर्व में गोंदिया जिले में गोंडी चित्रकला एवं संस्कृति के प्रचार-प्रसार के लिए लगाए गए साइन बोर्ड अभियान की सराहना करते हुए ऐसे अभिनव उपक्रम दोबारा चलाने का सुझाव दिया।बैठक में जिलाधिकारी प्रजित नायर ने शासन के निर्देशानुसार नियत व्यय एवं विभिन्न विभागों से प्राप्त मांगों के आधार पर तैयार आगामी वित्तीय वर्ष के आराखड़े का प्रस्तुतीकरण किया तथा चालू वर्ष के व्यय और आगामी वर्ष की आवश्यक निधि की विस्तृत जानकारी दी।

प्रोग्रेसिव्ह ग्रुप ऑफ स्कूल्स में प्रेरणास्त्रोत स्व. रामकिशोरजी कटकवार की 86 वी जयंती पर भव्य आंतर विद्यालयीन प्रतियोगिता का आयोजन

गोंदिया-प्रोग्रे सिव्ह ग्रुप ऑफ स्कूल्स द्वारा स्वर्गीय रामकिशोरजी कटकवार की 86 वी जयंती के अवसर पर भव्य आंतर विद्यालयीन प्रतियोगिता एवं श्रद्धांजली कार्यक्रम का आयोजन गरिमाय वातावरण में किया गया। कार्यक्रम का आरंभ मुख्य अतिथियों संस्थाध्यक्ष डॉ. पंकज कटकवार, उपाध्यक्ष श्रीमती अल्का पी. कटकवार, संस्था सचिव डॉ. निरज कटकवार, संचालिका श्रीमती लीना एन. कटकवार के द्वारा स्वर्गीय रामकिशोरजी कटकवार के चित्र पर माल्यपर्ण दीप प्रज्वलन व श्रद्धासुमन अर्पण के साथ प्राचार्य ओ.टी. राहांगडाले, ज्योती पहिरे, कुमुदिनी तावाडे, श्रीमती वाय, आशा राव, श्रीमती मिनाक्षी महापात्रा, कुलदिप भौतिक, विणा कावळे, क्रिष्णा चौहाण, निधी व्यास, सुशिला भोयर, अभय गुरव, विकास पटले, संदिप मोहबंशी की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर संस्थासचिव डॉ. निरज कटकवार जी ने उनके व्यक्तित्व व जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वें शिक्षा, सामाजिक सेवा और नैतिक मूल्यों के सश्वत प्रेरणास्त्रोत थे। उनके आदर्श आज भी प्रोग्रेसिव्ह ग्रुप को मार्गदर्शित कर रहे है।

जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित आतंर विद्यालयीन प्रतियोगिताओं में चित्रकला, एकल नृत्य, हैडराईटिंग, वाद विवाद, गायन, क्रिडा स्पर्धा-बॅडमिंटन, क्रिकेट जैसी विभिन्न विधाओं को शामिल किया गया। विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा रचनात्मक एवं विषय की गहराई को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत कर कार्यक्रम को स्मृति पटल पर सदैव के लिए अंकित कर दिया।

आयोजको द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र के साथ प्रोत्साहित किया गया तथा प्रथम पुरस्कार प्राप्त विद्यालय प्रोग्रेसिव्ह इंग्लिश स्कूल (सी.बी.एस.ई. बोर्ड) को रनिंग ट्राफी से सम्मानित किया गया।

संस्था प्रबंधन ने सभी विद्यार्थियों व कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस प्रकार के स्पर्धा विद्यालय में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा भावना व सर्वांगिण विकास को प्रेरित करती है। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान व स्व. रामकिशोरजी कटकवार के आदर्शों का मूल्यों के अनुसरण के संकल्प के साथ किया गया।

छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती पर पदयात्रा

बुलंद गोंदिया। छत्रपति शिवाजी महाराज की 396वीं जयंती गुरुवार को है और इस मौके पर पूरे महाराष्ट्र में पैदल मार्च निकाला जाएगा। गोंदिया जिले में भी जिला प्रशासन की तरफ से पदयात्रा निकाली जाएगी । पदयात्रा सुबह 9 बजे मनोहर चौक पर छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा को श्रद्धांजलि देकर शुरू होगा। पैदल मार्च मनोहर चौक से इंदिरा गांधी स्टेडियम तक होगा। इस पैदल मार्च में मेरा युवा भारत, ह्स्स्, स्काउट गाइड के वॉलंटियर और स्कूली छात्र मौजूद रहेंगे। इस पैदल मार्च में एक बैंड टीम, एक लेज़िम टीम और एक नुक्कड़ नाटक होगा। इस बारे में हुई एक मीटिंग में निवासी उप जिलाधिकारी भैयासाहेब बेहरे ने संबंधित विभागों को पदयात्रा को ठीक से मैनेज करने के निर्देश दिए।

संपादकिय...

एआई का महाकुंभ

अब यह समय और दौर 'कृत्रिम बुद्धिमत्ता' (एआई) का है। आगामी तीन सालों में एआई का विस्तार हजार गुना होगा और जिंदगी बिल्कुल बदल जाएगी। स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, परिवहन, प्रशासन और नीति-निर्माण, इतिहास, संस्कृति, विज्ञान से लेकर आम आदमी और कर्मचारी तक एआई का दखल होगा और ये क्षेत्र एआई से ही संचालित होंगे। भारत एआई के बड़े और स्थापित देशों की रेस में शामिल नहीं है, लेकिन एआई की प्रतिभाएं देश में 33 फीसदी की दर से बढ़ रही हैं। करीब 69 फीसदी कंपनियां इस साल एआई में निवेश बढ़ाएंगी और 80 फीसदी कंपनियां इस नए हुनर को प्राथमिकता दे रही हैं। करीब 92 फीसदी कर्मचारी एआई का इस्तेमाल भी कर रहे हैं। भारत में एआई के तीन आधिकारिक सूत्र घोषित किए गए हैं-लोग (पीपल), ग्रह (प्लैनेट), प्रगति (प्रोग्रेस)। यकीनन इनमें नैतिकता और मानवता का भाव अधिक है। लिहाजा राजधानी दिल्ली में एआई का जो पांच दिवसीय शिखर सम्मेलन सजा है, उसका महत्व 'महाकुंभ' सरीखा है। इस महाकुंभ में 100 से अधिक बहुराष्ट्रीय कंपनियों के सीईओ, 20 से अधिक राष्ट्राध्यक्ष, 135 देशों के प्रतिनिधि शिरकत करेंगे। 20 फरवरी तक 3250 से अधिक वक्ता बोलेंगे और करीब 500 सत्र आयोजित किए जाएंगे। किसी नई प्रौद्योगिकी पर विमर्श और चिंतन-मनन के लिए यह सर्वोच्च मंच है, लिहाजा 'महाकुंभ' जैसा महत्व है। सभी हिस्सेदार, भागीदार व्यक्ति या देश एआई के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करेंगे और एक पथ तय करेंगे कि एआई किस तरह मानवोपयोगी साबित हो सकती है। इतनी व्यापक चर्चा तब भी नहीं हुई, जब कम्प्यूटर हमारे बीच आया था और देश भय, खौफ में थे कि यह मानव का विकल्प साबित हो सकता है। ऐसा नहीं हुआ और आज कम्प्यूटर हमारे कामकाज का बुनियादी हथियार है। बहरहाल ब्रिटेन, दक्षिण कोरिया (सोल), फ्रांस (पेरिस) के बाद एआई का यह शिखर सम्मेलन भारत की राजधानी दिल्ली में जारी है। करीब 3 लाख लोगों ने पंजीकरण कराया है। दरअसल बुनियादी चिंता एआई चिप्स, रोजगार और परिवर्तन के बाद की दुनिया को लेकर है। भारत में एआई को 'आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन' से जोड़ा जा रहा है, क्योंकि इससे मुंह के कैंसर की 86 फीसदी तक सटीक पहचान हो रही है। शिक्षा के क्षेत्र में आईआईटी, मद्रास 100 से अधिक भारतीय बोलियों (अवधी, ब्रज, हरियाणवी) पर काम कर रहा है। मकसद है कि ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों के बच्चों को उनकी स्थानीय बोली-भाषा में ही शिक्षा उपलब्ध कराई जा सके। आईआईटी, रोपड़ ने एआई आधारित ऑटोमैटिक 'मौसम स्टेशन' तैयार किया है। इन्हें हजारों खेतों-गांवों में लगाया जा सकता है। करीब 15,000 रुपए की कीमत वाला यह उपकरण सिंचाई, फसल योजना और कीट-नियंत्रण आदि की सटीक सलाह देगा। बिहार और उप्र में इसका पायलट प्रोजेक्ट सफल रहा है। एआई के क्षेत्र में हमने 5 बड़े कदम उठाए हैं, जो निर्णायक साबित हो रहे हैं। सर्वम एआई, परम-2, ज्ञानी, सॉकेट और गान- ये पांच बड़े प्रयास किए गए हैं। इनके जरिए हमारी सभ्यता, संस्कृति, इतिहास के प्राचीन अतीत को भी खंगाला जा सकता है और हम देख भी सकते हैं।

नन्हीं कड़ी में.... दिन विशेष - विद्यार्थियों के लिए परीक्षा क्यों जरूरी..?

आधुनिक जीवन की सबसे बड़ी जरूरत के रूप में अगर हम परीक्षा को देखें तो इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं है। मनुष्य जीवन में हर एक मोड़ पर एक नई परीक्षा सामने आती रहती है। ऐसा कोई भी व्यक्ति नहीं है जिसने परीक्षा का सामना न किया हो। आज हम सभी इस लेख के माध्यम से विद्यार्थियों के लिए परीक्षा क्यों जरूरी है और विद्यार्थियों को परीक्षा के समय किन बातों को ध्यान में रखते हुए संयम बनाए रखना चाहिए, ऐसे सभी गंभीर प्रश्नों के हल कैसे करना है? इस विषय को समझने का प्रयास करेंगे। पढ़ाई करने वाले बच्चों के जीवन में तो साल में कई बार परीक्षा देने का अवसर आता है। कुछ बच्चे परीक्षा फोबिया नाम की बीमारी से घिर जाते हैं। कई बार देखने में आता है कि परीक्षा के समय बच्चे बीमार पड़ जाते हैं। यह सब परीक्षा फोबिया के कारण होता है।

बड़े-बड़े दार्शनिक और शिक्षा क्षेत्र से जुड़े लोग इस बात को समझते हुए बच्चों के मन से परीक्षा का भय दूर करने के लिए समाचार पत्रों में लेख लिखते हैं, टीवी चैनलों और सोशल मीडिया के माध्यम से प्रयास करते रहते हैं। हमारे देश के प्रधानमंत्री जी भी पिछले कुछ वर्षों से परीक्षा के समय टीवी चैनलों के माध्यम से परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम द्वारा विद्यार्थियों से सीधे संवाद कर रहे हैं। इसका मुख्य उद्देश्य बच्चों को परीक्षा फोबिया से मुक्त कराना और साथ ही बच्चों को सफलता का मंत्र देना है। परीक्षा फोबिया बच्चों के लिए एक गंभीर समस्या बन चुकी है। इसे सभी के निरंतर प्रयासों से दूर किया जा सकता है।

मैं स्वयं भी शिक्षा क्षेत्र से जुड़ी हुई हूँ। मेरा व्यक्तिगत रूप से ऐसा मनना है कि बच्चों को परीक्षा के डर से बाहर निकालकर हर परीक्षा को सफलता के एक सुंदर अवसर के रूप में देखना चाहिए। बच्चों के मन में बैठे डर के कई कारण हो सकते हैं। कुछ बच्चे असफलता के डर से घबराते हैं, तो कुछ को माता-पिता की अपेक्षाएँ पूरी न कर पाने का भय रहता है। जो बच्चे परीक्षा को डर के रूप में देखते हैं, उन्हें मन में हमेशा यह विश्वास रखना चाहिए कि परीक्षा के बिना जीवन में आगे बढ़ने का कोई दूसरा रास्ता नहीं है। परीक्षा से ही हमारे सुंदर भविष्य का निर्माण संभव है। अपने भविष्य को बेहतर बनाने का परीक्षा से बढ़कर कोई और मार्ग नहीं है।

मैंने शिक्षिका के रूप में कार्य करते हुए कई ऐसे बच्चों को भी देखा है जिनमें कला और कौशल की कोई कमी नहीं होती, फिर भी वे परीक्षा फोबिया से बाहर नहीं निकल पाते। कुछ बच्चे अपने पढ़ाई के समय का सही नियोजन (टाइम मैनेजमेंट) नहीं कर पाते, जिसके कारण उनकी पढ़ाई सही ढंग से नहीं हो पाती और वे परीक्षा के समय घबराहट महसूस करते हैं और परीक्षा के समय सहज नहीं रह पाते है।

विद्यार्थी जीवन में आत्मविश्वास होना बहुत जरूरी है। जब तक आपके मन में स्वयं के प्रति विश्वास नहीं होगा आप कोई भी परीक्षा को सहज नहीं ले पाएंगे। आत्मविश्वास की कमी के कारण भी बच्चे परीक्षा फोबिया का शिकार हो जाते हैं। किसी भी क्षेत्र में सफलता पाने का सबसे सरल साधन आत्मविश्वास है। , मैं यह कर सकता हूँ – बच्चों को हमेशा इसी गुरू मंत्र का जाप करते रहना चाहिए। विद्यार्थी जीवन में नियमित पढ़ाई का बहुत बड़ा महत्व है। जो बच्चा नियमित रूप से पढ़ाई नहीं करता, उसे खुद पर भी भरोसा नहीं रहता। इसके अतिरिक्त टाइम टेबल का भी विद्यार्थी जीवन में बहुत महत्व है; टाइम टेबल के बिना पढ़ाई अधूरी है।

परीक्षा स्वयं को परखने का एक सुंदर अवसर है। परीक्षा से हमारे वास्तविक ज्ञान की जाँच होती है। हर परीक्षा हमें यह सिखाती है कि हमने क्या सीखा है, क्या सीखना बाकी है और हमें अपने अंदर कितना सुधार करना है। जीवन में हर चुनौती का सामना करने की तैयारी के लिए परीक्षाओं का होना आवश्यक है। जीवन पथ पर आगे बढ़ने के लिए परीक्षाएँ हमें मानसिक रूप से तैयार करती हैं और अंदर से मजबूत बनाती हैं। इसके अलावा जीवन में संघर्ष करना भी परीक्षाएँ ही सिखाती हैं। परीक्षाएँ हमें मेहनत करना और अपने लक्ष्य को हासिल करने का साहस देती हैं।

अपने जीवन में आने वाली हर कठिनाई का सामना करने से व्यक्ति के अंदर आत्मनिर्भर बनने के गुण विकसित होते हैं। इन्हीं गुणों के कारण व्यक्ति किसी भी समस्या का समाधान करने में सक्षम बनता है। परीक्षा को डर के रूप में देखना एक गलत आदत है। परीक्षा एक ऐसा सुंदर अवसर है जो हमें सीखने, पढ़ने और स्वयं में सुधार कर आगे बढ़ने में सहायता करता है।

अंत में मैं सिर्फ इतना ही कहना चाहूँगी कि जीवन की किसी भी परीक्षा को हमेशा सकारात्मक रूप से देखना चाहिए। बच्चों को भी परीक्षा फोबिया से बाहर निकलकर परीक्षा को केवल आत्ममूल्यांकन का एक माध्यम समझना चाहिए। माता-पिता को भी अपने बच्चों की क्षमताओं के अनुसार उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए और अत्यधिक अपेक्षाएँ रखकर बच्चों को परीक्षा फोबिया का शिकार नहीं बनाना चाहिए। यदि बच्चे सही तैयारी करें, तो परीक्षा उनके जीवन में आगे बढ़ने का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन सकती है।

आइये, हम अपने बच्चों के अंदर परीक्षा को एक उत्सव के रूप में देखने का जज्बा भरें। अपने बच्चों को परीक्षा से डराने के बजाय उनके मन में आत्मविश्वास भरें और जीवन की हर कठिनाई का सामना करना सिखाएँ। फिर देखिएगा कि हमारे बच्चे कैसे सफलता प्राप्त कर अपने मनचाहे लक्ष्य को हासिल करते हैं।

तमन्ना मतलानी
गोंदिया

जान से मारने की धमकी

गोंदिया,आमगांव थाने के तहत मुंडीपार निवासी मोहनलाल पांडुरंग चौधरी (75) को आरोपी सुरेश मोहनलाल चौधरी (43) व सागर सुरेश चौधरी (18) ने मेरे को और मेरे लड़के को घुरा दिया और हमको बरबाद कर दिया, ऐसा कहते हुए गालीगलौच की. साथ ही सीमेंट रोड पटक दिया. जिसमें वह घायल हो गया. वहीं जान से मारने की धमकी दी. नरेश मोहनलाल चौधरी (46) की शिकायत पर आमगांव पुलिस ने मामला दर्ज किया है.

मृत अवस्था में मिला युवक

गोंदिया-गंगाझरी थाने के तहत किडंगीपार निवासी नरेश धनलाल मोहारे (28) मजदूरी के काम के लिए गोंदिया गया था. लेकिन वह रात में वापस नहीं लौटा. उसके परिवारवालों ने उसकी तलाश की. इस बीच डोंगरगांव-किडंगीपार पगडंडी मार्ग के बाजू में वह मृत अवस्था में दिखाई दिया. फिर्यादी रविंद्र फंदुलाल मोहारे (31) की शिकायत पर गंगाझरी पुलिस ने आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज किया है. जांच हवलदार रुपचंद तिलगाम कर रहे हैं

खड़े टैंकर से बाइक की टक्कर, चालक घायल

देवरी के परसटोला की घटना, सख्त कार्रवाई की मांग

गोंदिया-देवरी के एमआईडीसी परिसर में सुफलाम कंपनी के पास परसटोला मार्ग पर 15 फरवरी की सुबह 11.30 बजे एक खड़े टैंकर को मोटरसाइकिल पीछे से टक्कर मार दी. जिसमें संजयनगर निवासी अनुज कैलास मेश्राम (15) गंभीर रुप से देवरी में ले जाया गया. जहां प्राथमिक घायल हो गया. उसे ग्रामीण अस्पताल उपचार के बाद उसे गोंदिया भेज दिया गया. जानकारी के अनुसार, अनुज अपनी मोटरसाइकिल क्र. एमएच 36 -आर 6522 से एमआईडीसी परिसर के परसटोला रास्ते से जा रहा था. इसी मार्ग पर सुफलाम कंपनी की स्थापना की गई है. जहां ट्रकों की मदद से कच्चे माल की आपूर्ति की जाती है. परसटोला मार्ग पर ट्रकों की कतारे लगी रहती है. इसी बीच टैंकर क्र. केए 01 - एपी 1300 रास्ते के बाजू में खड़ा था. जिसे मोटरसाइकिल चालक ने पीछे से टक्कर मार दी. जिसमें वह गंभीर रुप से घायल हो गया. ग्रामीण अस्पताल देवरी में उपसर प्राथमिक उपचार करने के बाद उसे गोंदिया रेफर कर दिया गया. देवरी पुलिस ने मामला दर्ज किया है.

नाबालिग चालकों की संख्या में वृद्धि = बिना वाहन लाइसेंस के भी युवा मोटरसाइकिल चला रहे हैं. इन धूम मचाने वाले युवाओं पर अभी तक सख्त कार्रवाई नहीं की गई है. मामूली जुर्माने से आगे कोई कार्रवाई नहीं होने से युवाओं की हिम्मत बढ़ती

जा रही है. परिणामस्वरूप, अलग-अलग जगहों पर छोटे-बड़े हादसों की संख्या बढ़ रही है. इसलिए, अब इनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की आवश्यकता है

परसटोला रोड पर वाहनों की कतारें

देवरी शहर में एमआईडीसी के तहत परसटोला रोड पर सुफलाम कंपनी की स्थापना के साथ ही, कच्चा माल सप्लाई करने वाली कंपनी परसटोला रोड पर वाहनों की अवैध तरीके से कतारें लगा रहे हैं. इससे इस रोड से गुजरने वाले नागरिकों की जान को खतरा पैदा हो गया है. इसलिए, परिसर के नागरिकों में ऐसे वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग जोर पकड़ने लगी है.

माझी वसुंधरा में डव्वा, भजियापार राज्य में द्वितीय

मुख्य कार्यकारी अधिकारी को विभाग स्तरीय उत्कृष्टता सहित जिले को 8 पुरस्कार

गोंदिया-माझी वसुंधरा अभियान 5.0 के तहत जिप को 8 पुरस्कार मिले हैं. ग्रापं डव्वा, ग्रापं भजियापार ने राज्य स्तर पर द्वितीय पुरस्कार हासिल किया है, जबकि ग्रापं नानव्हा और सिरेगांव ने विभाग स्तर पर प्रथम पुरस्कार हासिल किया है. गोंदिया जिप के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एम. मुरुगानंथम को भी विभाग स्तर पर उत्कृष्ट काम के लिए सरकार ने उत्कृष्टता मुख्य कार्यकारी अधिकारी का पुरस्कार दिया है. माझी वसुधारा 5.0 अभियान 1 जून 2024 से 31 मार्च 2025 तक लागू किया गया. इस अभियान में राज्य की 27,895 ग्रापं ने भाग लिया. यह अभियान प्रकृति से जुड़े पांच तत्वों पृथ्वी, वायु, जल, अग्नि और आकाश पर आधारित है और यह अभियान 2 अक्टूबर 2020 से शुरू किया गया है. पांच तत्वों के आधार पर इस अभियान के अंतर्गत तीसरे पक्ष की संस्था के माध्यम से डेस्कटॉप और फील्ड मूल्यांकन किया गया था. उत्कृष्ट मुख्य कार्यकारी अधिकारी विभाग स्तर पर सबसे उत्कृष्ट काम के लिए एम. मुरुगानंथम को पुरस्कार मिला. जिले में सबसे उत्कृष्ट काम के लिए सालेकसा पंचायत समिति के गुट विकास अधिकारी संजय पुरी को भी पुरस्कार मिला. एम. मुरुगानंथम के गोंदिया जिप में मुख्य कार्यकारी अधिकारी के पद पर आने के बाद, उन्होंने जिले में बड़ा बदलाव किया.

जानकारी और टेक्नोलॉजी पर जोर देते हुए, उन्होंने ई-ऑफिस सिस्टम शुरू किया. उन्होंने कई न्यायालय मामले सुलझाए,जिनमें शिक्षकों की पदोन्नति, अनुकंपा के आधार पर भर्ती, जिप का सौंदर्याकरण, कई क्लासरूम बनाना, मामा तालाबों का जीर्णोद्धार और महात्मा गांधी रोजगार गारंटी के योजना के तहत हजार किलोमीटर सड़कों किनारे पेड़ लगाने की नई पहल शामिल उन्होंने जिप और ग्रापं स्तर पर सफाई अभियान लागू करने पर सबसे ज्यादा जोर दिया है. कार्यालयीन काम में तेजी लाने के लिए उन्होंने समय-समय पर कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया और कर्मचारियों में अनुशासन डाला है.

दोनों ग्रापं को अलग-अलग श्रेणी में 4 पुरस्कार दोनों ग्रापं को दो अलग-अलग श्रेणियों में 4 पुरस्कार मिले हैं और उनमें से प्रत्येक को 1.25 करोड़ रु. का पुरस्कार मिलेगा. 2,000 से 3,000 की जनसंख्या समूह में नागपुर संभाग से सालेकसा पंचायत समिति के अंतर्गत नानव्हा ग्रापं ने प्रथम स्थान हासिल किया है, जबकि 1,500 से 2,000 की

जनसंख्या समूह में नागपुर संभाग से अर्जुनी मोरगांव पंचायत समिति के सिरेगांवबांध ग्रापं ने प्रथम स्थान हासिल किया है और प्रत्येक को क्रमशः 50 लाख रु. के पुरस्कारों की घोषणा की गई है. गोंदिया जिप के अंतर्गत ग्रापं को विभिन्न श्रेणियों में 6 पुरस्कार मिले हैं.

भूमि विषयगत में सर्वोच्च प्रदर्शन, 75 लाख की घोषणा

डव्वा ग्राप ने तीन हजार से पांच हजार की आबादी वाले समूह में दूसरा राज्य स्तरीय पुरस्कार जीता, सरकार ने इसके लिए 75 लाख रु. के इनाम की घोषणा की है.

इसके साथ ही भूमि विषयगत में सर्वोच्च प्रदर्शन के लिए भी डव्वा ग्रापं को सम्मानित किया और सरकार ने इसके लिए 50 लाख पुरस्कार की घोषणा की है. भजियापार ग्रापं ने डेढ़ हजार से दो हजार की आबादी वाले समूह में दूसरा राज्य स्तरीय पुरस्कार जीता. सरकार ने 75 लाख रु. का पुरस्कार और भूमि विषयगत में सर्वोच्च प्रदर्शन के लिए भजियापार को 50 लाख पुरस्कार देने की घोषणा की है.

यात्रियों को होली फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन की सुविधा

गोंदिया-आगामी होली त्यौहार के दौरान यात्रियों को सुगम, सुरक्षित व आरामदायक यात्रा सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से भारतीय रेल द्वारा इस वर्ष 1,410 से अधिक होली स्पेशल ट्रेनों का परिचालन करने की योजना बनाई गई है. जिसमें दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से भी 15 होली स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जाएगा. इसी कड़ी में रेलवे द्वारा होली के अवसर पर मार्ग गोंदिया-दरभंगा मार्ग की गाड़ियों में होने वाली भीड़ को ध्यान में रखते हुए एक होली फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन का परिचालन गोंदिया व पटना के मध्य एक फेरे के लिए की जा रही है. यह गाड़ी गोंदिया से गाड़ी संख्या 08861 के साथ 2 मार्च को तथा पटना से गाड़ी संख्या 08862 के साथ 3 मार्च को चलेगी. इस स्पेशल ट्रेन में 2 एसएलआर, 4 सामान्य, 8 स्लीपर, 3 एसी श्री, 1 एसी टू सहित कुल 18 कोच रहेगी.

बीजीडब्ल्यू अस्पताल की अव्यवस्थाओं ने बढ़ाई मरीजों और परिजनों की परेशानी

कहीं ईंटों के ऊपर बेड, कहीं अस्वच्छता तो कहीं फूटे हैं खिड़कियों के शीशे

गोदिया -गोंदिया जिले का एकमात्र शासकीय बाई गंगाबाई महिला व बाल अस्पताल (बीजीडब्ल्यू) इनदिनों अव्यवस्थाओं की वजह से चर्चाओं में है। अव्यवस्था के कारण यहां आनेवाले मरीजों और उनके परिजनों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा हैं। रविवार, 15 फरवरी को जब अस्पताल का निरीक्षण किया गया तो यह सामने आया कि, जिन महिलाओं को अस्पताल से छुट्टी मिल जाती है, लेकिन उनके शिशुओं को अतिदक्षता कक्ष में रखे जाने के कारण उन प्रसूता महिलाओं को रुकने के लिए एक कक्ष (आश्रम) दिया गया है। इस कक्ष के अधिकांश बेड ईंटों के ऊपर रखे हुए हैं, तो कई बेड तो खराब स्थिति में पहुंच गए हैं, जो प्रसूताओं के लिए परेशानियों का कारण बने हुए हैं। जबकि प्रसूति के पहले महिलाओं को जिस वार्ड में रखा गया है, उस वार्ड की खिड़कियों के शीशे टूटे पड़े हैं। जिसकी वजह से बाहरी मच्छर वाडों के अंदर तक पहुंच रहे हैं, ऐसे में महिलाओं को वार्ड के अंदर मच्छर अगरबत्ती अथवा ऑलआउट का उपयोग करना पड़ रहा है। इतना ही नहीं तो नालियों की सफाई उचित तरीके से नहीं होने के कारण सर्वत्र बदबूदार माहौल है।उल्लेखनीय है कि बाई गंगाबाई महिला व बाल अस्पताल में गोंदिया जिले के ही नहीं बल्कि मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ की महिलाएं भी प्रसूति के लिए पहुंचती है। जिन्हें भले ही चिकित्सकों द्वारा उचित उपचार दिया जा रहा हो, लेकिन यहां फैली अव्यवस्थाओं ने प्रसूति के लिए आई महिलाओं एवं उनके परिजनों को परेशानियों में डाल दिया है। प्रसूति के बाद जिस वार्ड में महिलाओं को रखा जाता है, उस वार्ड के शौचालय का माहौल इतना बदबुदार है कि प्रसूता महिलाएं वहां जाने से कतरा रही है। इतना ही नहीं तो जिन महिलाओं को छुट्टी मिल जाती है, लेकिन

उनके शिशुओं को किसी कारणवश अतिदक्षता कक्ष में रखे जाने के कारण उन प्रसूता महिलाओं को ठहरने के लिए एक कक्ष की व्यवस्था की गई है, जो यहां स्थित पुलिस चौकी के ऊपर है। इस कक्ष के अधिकांश बेड की हालत जर्जर हो गई है। प्रसूता महिलाएं इस बेड पर ठीक तरह से आराम भी नहीं कर पा रही है। उसी प्रकार कई जगहों पर निरंतर पानी संग्रहित रहने के कारण वहां मच्छरों की पैदावार हो रही है।

उमेद के अंतर्गत कर्ज वापस करने में गोंदिया जिला राज्य में सबसे आगे-लायकराम भेंडारकर

बुलंद गोंदिया।जिला परिषद अध्यक्षलायकराम भेंडारकर ने बताया कि उमेद के अंतर्गत कर्ज वापस करने में गोंदिया जिला राज्य में पहले नंबर पर है। उन्होंने कहा कि गोंदिया जिले में बचत समूह के तहत महिलाओं द्वारा लिए गए लोन चुकाने की दर राज्य में सबसे ऊपर है। ग्रामीण विकास और पंचायत राज विभाग के तहत महाराष्ट्र राज्य ग्रामीण आजीविका सुधार मिशन द्वारा 17 से 21 फरवरी, 2026 तक 'पलाश' मिनी सरस की एक बड़ी प्रदर्शनी लगाई गई है। प्रदर्शनी का उद्घाटन मंगलवार को हुआ। इस अवसर पर इंदिरा गांधी स्टेडियम गोंदिया में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस रखी गई थी, जहाँ वे बोल रहे थे। इस मौके पर जिला ग्रामीण विकास यंत्रणा प्रकल्प संचालक प्रमिला जाखलेकर मौजूद थीं।

भेंडारकर ने आगे कहा कि केंद्र सरकार की लखपति दीदी पहल के तहत, जिले में सालाना एक लाख रुपये से ज़्यादा कमाने वाली महिलाओं की संख्या 1 लाख 47 हज़ार 225 है। उन्होंने इस मौके पर कहा कि गोंदिया जिला नए एंटरप्रेन्योर बनाने में भी राज्य में सबसे आगे है और अब तक 14 हज़ार 350 नए नॉन-एग्रीकल्चरल एंटरप्रेन्योर बनाए गए हैं।

बसंत ऋतु में गोंदिया जिले में पलाश के फूल बड़ी मात्रा में मिलते हैं, इसलिए इस मिनी सरस का नाम पलाश रखा गया है। पलाश मिनी सरस में ग्रामीण इलाकों के 125स्वयं सहायता समूह ने हिस्सा लिया है। इसमें ऑनलाइन शॉपिंग की भी सुविधा दी गई है। अगर आप इस WhatsApp नंबर 9503736503 पर मैसेज भेजते हैं, तो आपको 1500 रुपये का ज़रूरी सामान आपके घर पर डिलीवर हो जाएगा। इसके अलावा, पलाश मिनी सरस में कई कूपन की भी व्यवस्था की गई है। एग्ज़िबिशन के दौरान, एक स्टॉल से 500 रुपये से 1500 रुपये की खरीदारी पर 5% की छूट और 1501 रुपये या उससे ज़्यादा की खरीदारी पर 7%की छूट दी जा रही है। एग्ज़िबिशन सुबह 10 बजे से रात 9 बजे तक इंदिरा गांधी स्टेडियम गोंदिया में चलेगी और नागरिकों को इस सुनहरे मौके का फ़ायदा उठाना चाहिए, ऐसी अपील जिला ग्रामीण विकास यंत्रणा प्रकल्प संचालक प्रमिला जाखलेकर ने की है।

महिलाओं के बनाए प्रोडक्ट्स को मार्केट दिलाने की कोशिश - लायकराम भेंडारकर

बुलंद गोंदिया। महिलाओं को आर्थिक रूप से मज़बूत बनाने के लिए सरकारी लेवल पर कोशिशें चल रही हैं। हम आने वाले समय में ज़िले में महिलाओं के बनाए प्रोडक्ट्स को मार्केट दिलाने की कोशिश कर रहे हैं, ऐसा ज़िला परिषद चेयरमैन लायकराम भेंडारकर ने कहा।

ग्रामीण विकास और पंचायत राज विभाग के तहत महाराष्ट्र राज्य ग्रामीण आजीविका सुधार मिशन द्वारा 17 से 21 फरवरी 2026 तक इंदिरा गांधी स्टेडियम गोंदिया में 'पलाश' मिनी सरस की एक बड़ी एग्ज़िबिशन लगाई गई है। एग्ज़िबिशन का आज उद्घाटन किया गया, इस मौके पर भेंडारकर कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए बोल रहे थे। इस अवसर पर जिला परिषद के उपाध्यक्ष सुरेश हर्षे, सभापति डॉ. लक्ष्मण भगत, सभापति दीपा चंद्रिकापुरे, पंचायत समिति सभापति मुनेश राहंगडाले,मुख्य कार्यकारी अधिकारी एम. मुरुगनंथम ,उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. तानाजी लोखंडे, उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी (जनरल) फनेंद्र कुटीरकर, उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी ग्राम पंचायत) मधुकर वासनिक, उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी (वॉटर एंड सैनिटेशन) विजय लोंढे, ग्रामीण विकास डायरेक्टर प्रमिला जाखलेकर और दूसरे पदाधिकारी मंच पर मौजूद थे। भेंडारकर ने कहा, 'पलाश' मिनी सरस एग्जीबिशन सिर्फ सामान की एग्जीबिशन नहीं है, बल्कि ग्रामीण इलाकों की महिलाओं की कला और हुनर से बने सामान की एग्जीबिशन है। इसमें खाने-पीने की चीजें, मसाले, ग्रामीण हस्तशिल्प और कई क्वालिटी प्रोडक्ट शामिल हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि वे महिलाओं द्वारा बनाए गए सामान को मार्केट दिलाने के लिए जिला परिषद के जरिए जरूर कोशिश करेंगे।

जिले में महिला सेल्फ-हेल्प ग्रुप को क्वालिटी सामान बनाना चाहिए। प्रोडक्ट्स की मार्केटिंग के लिए पैकेजिंग पर खास ज़ोर दिया जाना चाहिए ताकि कस्टमर प्रोडक्ट्स खरीद सकें। ज़िला परिषद के एम. मुरुगनंथम ने लोगों से अपील की कि वे इस पलाश एग्ज़िबिशन में ग्रामीण इलाकों की महिलाओं द्वारा तैयार किए गए प्रोडक्ट्स खरीदें। ग्रामीण इलाकों के 125 सेल्फ़ हेल्प ग्रुप्स पलाश मिनी सरस में हिस्सा ले रहे हैं। अभी गोंदिया ज़िले में 18 हज़ार सेल्फ़ हेल्प ग्रुप्स (रु.ग्रा), 850 ग्राम संघ और 52 वार्ड संघ काम कर रहे हैं। इन सभी ऑर्गनाइज़ेशन्स के ज़रिए लगभग 2 लाख से ज़्यादा महिलाएँ उम्मीद अभियान से जुड़ी हैं। ज़िला ग्रामीण विकास एजेंसी की प्रोजेक्ट डायरेक्टर प्रमिला जाखलेकर ने अपने इंट्रोडक्शन में कहा कि ये महिलाएँ अलग-अलग तरह के खेती-बाड़ी, पशुपालन, मछली पालन, जंगल-बाड़ी और नॉन-फ़ार्म कामों में काम कर रही हैं और उन्होंने कई अच्छे प्रोडक्ट्स बनाए हैं। पलाश एग्ज़िबिशन 17 से 21 फरवरी 2026 तक सुबह 10 बजे से रात 9 बजे तक इंदिरा गांधी स्टेडियम गोंदिया में लगेगी और ऑर्गनाइज़र ने सभी से एग्ज़िबिशन देखने और चीज़ें खरीदने की अपील की है। प्रोग्राम को एक्सटेंशन ऑफिसर वैशाली खोबरागड़े ने कोऑर्डिनेट किया, जबकि डिस्ट्रिक्ट कैंपेन मैनेजर नरेंद्र रहांगडाले ने आए हुए लोगों को धन्यवाद दिया। प्रोग्राम में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

आस्था के केंद्र में पर्यावरण संरक्षण

अर्जुनी मोरगांव-स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जिम्मेदारी का आदर्श रखते हुए भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा की ओर से अपने उत्सव, अपनी जिम्मेदारी इस उपक्रम के अंतर्गत तीर्थक्षेत्र प्रतापगढ़ में महाशिवरात्रि पर स्वच्छता अभियान चलाया गया. भाजपा तहसील अध्यक्ष भेंडारकर के मार्गदर्शन और अश्विनसिंह गौतम के नेतृत्व में चलाए गए इस अभियान में सैकड़ों शिवभक्तों ने स्वयंस्फूर्ति से अपने हाथों में झाड़ू लेकर प्रतापगढ़ व परिसर में साफ-सफाई कर स्वच्छता और सेवा का संदेश दिया. हर वर्ष महाशिवरात्रि पर प्रतापगढ़ में पांच दिवसीय मेला लगता है. जिसमें देश के विभिन्न राज्यों से लाखों श्रद्धालु भगवान शंकर के दर्शन के लिए आते हैं. श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या के कारण यात्रा स्थल पर प्लास्टिक की बोतलें, थैलियां, थर्माकोल प्लेट्स और अन्य कचरा बड़ी मात्रा में जमा हो जाता है, इसको देखते हुए यह स्वच्छता अभियान चलाकर परिसर में फैले प्लास्टिक कचरे का उचित निपटान किया गया. यह अभियान प्रतापगढ़ ग्राम पंचायत के सहयोग से चलाया गया.

1.46 लाख की एमडी जब्त, एक गिरफ्तार

गोंदिया -अपराध शाखा पुलिस ने शहर के सुंदरनगर में आरोपी तौसीफ उर्फ पीरु मुश्ताक शेख (24, सुंदरनगर) से करीब 7.310 ग्राम एमडी जब्त करके हिरासत में लिया. जब्त माल की कीमत 1,46,200 रुपए बताई गई है. 15 फरवरी को स्थानीय अपराध शाखा पुलिस को एक युवक द्वारा एमडी बेचने की जानकारी मिलने पर दोपहर 1.50 बजे सुंदरनगर में संदिग्ध की तलाशी लेने पर जेब में दो पाउच मिले, जिनमें से एक में 3.420 ग्राम तथा दूसरे में 3.890 ग्राम एमडी था. जिसकी 20,000 रु. प्रति ग्राम के हिसाब से कुल कीमत 1,46,200 रु. है. आरोपी के खिलाफ गोंदिया शहर पुलिस ने एनडीपीएस कानून की धारा 8 (ए) और 22 (बी) के तहत मामला दर्ज किया गया है. यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे के आदेश पर सहायक पुलिस निरीक्षक धीरज राजुरकर, राजू मिश्रा, दीक्षित कुमार दमाहे, पुलिस कांस्टेबल विठ्ठल ठाकरे, सुबोध बिसेन, इंद्रजीत बिसेन, संजय चौहान, भोजराज बहेकर, रियाज शेख, राजकुमार खोटेले, भुवनलाल देशमुख, छगन विठाले, हंसराज भंडारकर, दुर्गेश पाटिल, कुंभलवार, राम खंडारे ने की.

कैंसर पीड़ित युवक ने लगाई फांसी

गर्रा बघेड़ा-तुमसर तहसील के सुंदरटोला गांव में एक 26 वर्षीय युवक ने घर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. पुलिस सूत्रों के अनुसार महेंद्र शामराव ईनवाते (26) अविवाहित था और सुंदरटोला गांव का निवासी था. परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार महेंद्र पिछले चार वर्षों से कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से पीड़ित था. उसका इलाज जारी था, लेकिन बीमारी से राहत नहीं मिल रही थी. लंबे समय से असहनीय शारीरिक दर्द और मानसिक तनाव के कारण वह काफी परेशान रहता था. परिजनों का कहना है कि इसी पीड़ा से तंग आकर उसने यह आत्मघाती कदम उठाया. जानकारी मिलते ही गोबरवाही पुलिस मौके पर पहुंची. पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए तुमसर के शासकीय अस्पताल भेज दिया. प्रारंभिक जांच के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है.

उड़ान पुल के किनारे उग आईं झाड़ियां, जमा है धूल-मिट्टी

पुल के नीचे से गुजरनेवाले नागरिकों के ऊपर पुलिया का गंदा पानी टपकता रहता है

गोंदिया-गोंदिया शहर दो हिस्सों में विभाजीत है। शहर के मध्य क्षेत्र से रेल मार्ग जाने की वजह से रेलटोली, मरारटोली, टीबी टोली, रामनगर सहित क्षेत्र उत्तर दिशा में एवं गोरेलाल चौक, सराफा लाइन, सिविल लाइन, गणेश नगर आदि दक्षिण क्षेत्र में है। पुराना उड़ान पुल बंद होने के बाद से सभी छोटे-बड़े वाहनों का यातायात नए उड़ान पुल से हो रहा है। लेकिन यह उड़ान पुल वाहन चालकों के लिए अब मुसीबतों का कारण बना हुआ है। बारिश के दिनों में पानी संग्रहित रहने की समस्या हो या फिर अन्य दिनों में पुल के किनारे झाड़ियां उग आने तथा धूल मिट्टी जमा रहने की समस्या हो या फिर गड्ढों की समस्या हो, वाहन चालक हमेशा इन समस्याओं से जूझते रहते हैं। अब इस उड़ान पुल के दोनों किनारों पर झाड़ियां उग आई है, जिन्हें खाने के लिए मवेशी उड़ान पुल पर चढ़ जाते हैं। जो वाहन चालकों के लिए हमेशा खतरा बने रहते है। इतना ही नहीं पुल के बीचों-बीच जहां लोहे के एंगल डाले गए हैं, वहां गड्ढा निर्माण हो गया है। जिसकी वजह से वाहन चालकों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। किनारों पर धूल संग्रहित रहने के कारण यह पुल संकरा हो गया है, ऐसे में वाहन चालकों को दुर्घटनाओं का डर सता रहा हैं। इतना ही नहीं तो पुल के किनारों पर नाली नुमा जगह होने के कारण भी वाहन चालक परेशान हो गए हैं। जहां पर झाड़ियां भी उग आई हैं। जिन्हें खाने के लिए मवेशियां पुल पर चढ़ रही हैं। धूल मिट्टी संग्रहित रहने के बावजूद इसे उठाने की ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। जगह-जगह पर छोटे-छोटे गड्ढे निर्माण हो गए हैं। जिन्हें पाटने के लिए भी संबंधित विभाग द्वारा कदम नहीं उठाया जा रहा है, जिससे वाहन चालकों में आक्रोश पनपता जा रहा है। बारिश के दिनों में तो परिस्थिति और भी गंभीर हो जाती है। जहां पुल के नीचे से गुजरने वाले नागरिकों के ऊपर पुलिया का गंदा पानी टपकता रहता है।

सिल्ली में खेत में चल रही शराब भट्टी को किया नष्ट

शराब भट्टी से 1.96 लाख का माल पकड़ा

गोंदिया-आबकारी विभाग ने छापा मारकर तिरोड़ा तहसील के सिल्ली में एक खेत में चल रही शराब की भट्टी को नष्ट कर दिया. इस बीच 1 लाख 96 हजार रु. का माल जब्त किया गया. यह कार्रवाई सोमवार की रात करीब 11 बजे की गई. आरोपी का नाम संजय बरेकर बताया गया है. जानकारी के अनुसार, आबकारी विभाग के अधीक्षक मनोहर अंचुले को सूचना मिली थी कि सिल्ली गांव के पास एक खेत में महुआ फुल की शराब अवैध तरीके से बनाई जा रही है. सूचना के आधार पर आबकारी विभाग ने सिल्ली के किसान अशोक रहांगडाले के खेत में छापा मारा. इस दौरान मौके पर चल रही शराब की भट्टी को नष्ट कर दिया गया. मौके से कुल 5,250 लीटर कच्ची महुआ फुल शराब, दो लोहे के ड्रम, एक गैस सिलेंडर, एक प्लास्टिक ड्रम और 105 बोरी महुआ फुल जब्त किया गया. जिसकी कीमत 1 लाख 96 हजार रु. बताई गई है. यह कार्रवाई अधीक्षक मनोहर अंचुले के मार्गदर्शन में प्रभारी निरीक्षक धीरज सव्वालाखे, विजय अगड़े, जितेंद्र बोंडे, सागर बारसे, सुशील बोलने, चंद्रकांत बागड़े, अतुल बंसोड़, हर्षा धोटे, वैष्णवी पटले ने की.

अल्पसंख्यक समाज की छात्राओं के लिए छात्रावास बनाने की मांग जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

गोंदिया-गोंदिया जिले की अल्पसंख्यक छात्राओं को उच्च शिक्षा के लिए नागपुर व अन्य शहरों में जाना पड़ता है, जहां सुरक्षित आवास की कमी और आर्थिक कठिनाइयों के कारण अनेक छात्राएं अपनी पढ़ाई बीच में ही छोड़ने को मजबूर हो जाती हैं। ऐसे में अल्पसंख्यक समाज की उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाली छात्राओं की समस्याओं को लेकर एनएसयूआई गोंदिया के जिला अध्यक्ष अमन तिगाला, जिला उपाध्यक्ष राहुल बावनथडे के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी को निवेदन सौंपकर गोंदिया जिले में अल्पसंख्यक छात्राओं के लिए शासकीय छात्रावास स्वीकृत किए जाने की मांग की है। एनएसयूआई जिला अध्यक्ष अमन तिगाला ने कहा है कि, इस योजना% के अंतर्गत राज्य के सभी जिलों में छात्रावास निर्माण का प्रावधान है। आवश्यकता एवं जनहित को देखते हुए गोंदिया जिले में भी अल्पसंख्यक छात्राओं के लिए शासकीय छात्रावास स्वीकृत किया जाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने मांग की कि गोंदिया जिले की वास्तविक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए आवश्यकता-आधारित प्रस्ताव शीघ्र अल्पसंख्यक विकास विभाग, महाराष्ट्र शासन को भेजा जाए, जिससे छात्राओं को सुरक्षित आवास सुविधा मिल सके और उनका शैक्षणिक भविष्य सुरक्षित हो। जिलाधिकारी ने प्रतिनिधिमंडल को नियमानुसार उचित कार्यवाही का आश्वासन दिया।

जिलाधीश, तहसीलदार और आमगांव थाना व नगर परिषद को ज्ञापन

शराब दुकान के खिलाफ आंदोलन

आमगांव-तहसील के किड़गीपार में खुली देसी शराब की दुकान के खिलाफ गांव की महिलाओं ने कड़ा रुख अपनाया और तहसील कार्यालय पर विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया. महिलाओं ने प्रशासन को ज्ञापन सौंपा. जिसमें उन्होंने शराब की दुकान तुरंत बंद करो, ऐसी मांग की. महिलाओं के अनुसार, गांव के पास और मुख्य रोड पर खुली शराब की दुकान स्कूल के पास है और परिसर में पार्किंग की कोई सुविधा नहीं है. इस वजह से हादसों की संभावना बढ़ गई है. उन्होंने यह भी डर जताया कि नशे में धुत लोग स्कूल की लड़कियों और महिलाओं के लिए सुरक्षा का मुद्दा बन सकते हैं. महिलाओं ने ज्ञापन में यह भी कहा है कि इस दुकान का गांव के परिवारों की आर्थिक और सामाजिक हालत पर भी बुरा असर पड़ेगा. महिलाओं ने आरोप लगाया, अगर गांव में शराब की दुकान होगी, तो नशा बढ़ेगा, परिवार बर्बाद होंगे और अपराध बढ़ेगा. इस बीच जिलाधीश, तहसीलदार, आमगांव थाना व नगर परिषद प्रशासक को ज्ञापन सौंपा. महिलाओं ने चेतावनी दी है कि अगर शराब की दुकान की परमिशन तुरंत कैंसल नहीं की गई और दुकान बंद नहीं की गई, तो वे 20 फरवरी को सुबह 11 बजे जोरदार आंदोलन करेंगी. तहसील की नजर इस बात पर टिकी है कि प्रशासन इस मामले में क्या कार्रवाई करती है.

प्रशासकीय इमारत में नहीं शुरू हो पा रही दूसरी लिफ्ट

बुजुर्ग व महिलाओं को लेना पड़ रहा सीढ़ियों का सहारा

गोंदिया -शहर के जयस्तंभ चौक पर स्थित चार मंजिला प्रशासकीय इमारत में प्रशासन द्वारा 2 लिफ्ट लगाए गए हैं। इस इमारत की एक लिफ्ट बीते अनेक माह से बंद पड़ी हुई है। केवल एक ही लिफ्ट शुरू रहने से अपने कामों के सिलसिले में आनेवाले नागरिकों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कई बुजुर्ग व महिलाओं को सीढ़ियों के सहारे चढ़ना-उतरना पड़ रहा है। मात्र प्रशासन की ओर से ह इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

शासन की ओर से तहसील एवं जिले के अनेक कार्यालय एक नो ही इमारत के नीचे लाए जाए। इस नग संकल्पना से गोंदिया शहर सहित नो जिले की तहसील के नागरिकों के ने अनेक कार्यालयों के काम एक बर ही इमारत के नीचे हो, इस उद्देश्य से जयस्तंभ चौक पर प्रशासकीय इमारत का निर्माण करोड़ों रुपए की लागत से किया गया। उक्त इमारत में जिला सूचना कार्यालय, जिला पणन विभाग, जिला कृषि कार्यालय, उपनिबंधक कार्यालय, कामगार कार्यालय, रजिस्ट्री कार्यालय के साथ अनेक कार्यालय है। जहां प्रतिदिन हजारों नागरिक अपने काम के सिलसिले में आते हैं। नागरिकों को सुविधा प्रदान करने के लिए दो लिफ्ट लगाए गए हैं। इनमें से एक लिफ्ट अनेक माह से बंद होने की वजह से बुजुर्ग नागरिक एवं महिलाओं को सीढ़ियों का सहारा लेना पड रहा है। जिससे उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस ओर प्रशासन द्वारा अनदेखी की जा रही है। नागरिकों को सुविधा प्रदान करने के लिए बंद पडे लिफ्ट को शुरू करने की मांग नागरिकों द्वारा की जा रही है।

17 हजार रु.हेक्टेयर के हिसाब से खरीफ फसल नुकसानी के मिलें 36 करोड़, किसानों के खातों में शुरू हुआ वितरण

बुलंद गोंदिया। गोंदिया क्षेत्र के बारिश प्रभावित किसानों के लिए बड़ी खुशखबरी सामने आई है। बारिश से खरीफ फसलों को हुए भारी नुकसान के बाद विधायक विनोद अग्रवाल के सतत प्रयत्न से सरकार ने किसानों को आर्थिक राहत प्रदान की है, जिसके तहत अब 36 करोड़ रुपये की राशि मंजूर होकर सीधे किसानों के बैंक खातों में रुपये जमा करने की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। विशेष है कि खरीफ 2025-26 में भारी बारिश ने गोंदिया विधानसभा क्षेत्र के धान उत्पादक किसानों की कमर तोड़ दी थी। अत्यधिक खरीफ फसलों को भारी नुकसान हुआ, जिससे किसानों की आमदनी पर गहरा असर पड़ा। हालात को देखते हुए विधायक विनोद अग्रवाल ने प्रशासन को तुरंत फसल सर्वे कराने के निर्देश दिए थे और नुकसान का आकलन पूरा होने के बाद सरकार से आर्थिक नुकसान राहत देने की मांग की थी।

इसी प्रयास के तहत अब राज्य की किसान हितैषी सरकार ने धान उत्पादक किसानों को आर्थिक राहत देते हुए 36 करोड़ रुपये की राहत राशि प्रदान की है, जो अब किसानों के बैंक खातों में 17 हजार रुपये हेक्टेयर के हिसाब से ट्रांसफर करने की प्रक्रिया शुरू की जा चुकी है।

इसके साथ ही खरीफ के साइड सीजन के दौरान 17 हजार हेक्टेयर के और अतिरिक्त फसल नुकसानी के 20 करोड़ रुपये हेतु भी राशि मंजूर कराने का प्रयत्न शुरू है जो 10 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर के हिसाब से धान उत्पादक किसानों के बैंक खातों में पैसे वितरण करने की प्रक्रिया की शुरुआत की जाएगी।

विधायक विनोद अग्रवाल ने कहा, खरीफ नुकसान भरपाई के साथ ही पिछले साल 2025 के ग्रीष्मकालीन रबी सीजन के दौरान बेमौसमी बारिश से हुए फसल नुकसान को लेकर भी किसान चिंतित है। उन्होंने कहा, किसान भाइयों को चिंता करने की जरूरत नहीं। रबी नुकसानी का आर्थिक मुआवजा राशि देने हेतु भी राज्य सरकार से मांग की गई, जिसे सरकार ने सकारात्मक रूप में लेकर जल्द 10 करोड़ की राशि मंजूर करने की सहमति दर्शायीं है। जल्द ये राशि भी किसानों को 10 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर के हिसाब से प्रदान की जाएगी

गोंदिया शहर के दुकान-मकान नझुल पट्टा धारकों को अब मुफ्त में मिलेगा मालिकाना हक

विधायक विनोद अग्रवाल की पहल पर राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने कैबिनेट में मंजूरी दिलाने कलेक्टर को दिए प्रस्ताव भेजने के निर्देश

बुलंद गोंदिया। गोंदिया शहर के शीट क्रमांक 1 से लेकर 32 तक ब्रिटिशकाल से सरकार द्वारा प्रदान नझुल जमीन के स्थायी पट्टा धारक व वाणिज्यिक पट्टाधारक को अब मुफ्त में पट्टे का मालिकाना हक देने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। ये सफल प्रयास विधायक विनोद अग्रवाल की पहल पर अब साकार होने जा रहा है। इसके लिए सरकार ने कैबिनेट में प्रस्ताव मंजूर करने की सहमति दर्शायी है।

गोंदिया शहर के नझुल शीट क्र.1 से 32 में स्थायी पट्टे के तहत निवास कर रहे करीब 1413 व वाणिज्यिक स्थायी पट्टे के तहत करीब 1029 के नझुल पट्टा धारकों को पट्टा नूतनिकरण में शर्तभंग होने पर शासन द्वारा अनर्जित रकम वसूली माफ करने, फ़्रीहोल्ड प्रक्रिया सरल कर नझुल पट्टा धारकों को न्याय देने की मांग तथा जो नझुल पट्टे धारक फ्री होल्ड है उनसे हर साल वसूल होने वाले भू-लगान को महाराष्ट्र महसूल अधिनियम 1966 की धारा 117 अंतर्गत माफ करने कर उचित शासन आदेश जारी करने की मांगराजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले से की थी।

इस मामले पर राजस्व मंत्री बावनकुले ने गोंदिया शहर के नजूल पट्टा नूतनीकरण, हर साल वसूला जाने वाला भुई भाड़ा, नजूल पट्टा फ्री होल्ड के सभी शुल्क को माफ करने के मामले पर जल्द ही कैबिनेट में प्रस्ताव को मंजूरी देने की सहमति दर्शाकर जिलाधिकारी गोंदिया को प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश दिए है।

इसके साथ ही विधायक विनोद अग्रवाल ने ये भी कहा कि, इसके अलावा गोंदिया शहर व ग्रामीण भाग में जीतने भी वर्षो से रह रहे अतिक्रमधारक है (वनजमीन छोड़कर) उन्हें भी भूमि आवंटन कर स्वामित्व अधिकार देने का कार्य किया जा रहा है। इसके लिए सर्वे का कार्य अंतिम चरण में जल्द ही उन्हें भी मालिकाना हक का अधिकार प्राप्त होगा।

कटंगी -टेमनी पांगोली नदी पर बनेगा बंधारा जिप सदस्य पूजा सेठ के प्रयासों से किसानों व नागरिकों को मिलेगी राहत

बुलंद गोंदिया। कुड़वा जिला परिषद क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम कटंगी टेमनी के बीच से निकलने वाली पांगोली नदी की पुलिया पर जल्द ही बंधारे का निर्माण किया जाएगा जिससे क्षेत्र के किसानों व नागरिकों को काफी राहत मिलेंगी। गौरतलब है की कुड़वा जीप क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम कटंगी व टेमनी के किसानों एव नागरिकों द्वारा पूर्व केंद्रीय मंत्री सांसद प्रफुल्ल पटेल से पांगोली नदी की पुलिया पर बंधारा बनाने की मांग की थी। जिससे किसानों को हमेशा कृषि के लिए पानी प्राप्त हो सके साथ ही मवेशियों वह शमशान भूमि में भी अंतिम क्रिया के लिए पानी उपलब्ध होगा। जिस पर राष्ट्रवादी कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पूर्व विधायक राजेंद्र जैन के दिशा निर्देश पर कुड़वा जिला परिषद क्षेत्र के सदस्य का पूजा अखिलेश से सेठ ने पहल करते हुए वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा कर इसकी मांग रखी। इस हेतु अखिलेश सेठ, सदाशिव वाघाड़े, शिवलाल नेवारे, योगेश पटले, सरपंच, दिलीप लिल्हारें , रेखलाल किरणापुरे, मनोहर पटले, संतोष पटले एवं जिला परिषद के इंजीनियर राहुलवार , मयंक

माधवानी, इंजीनियर भूपेश तुरकर, सार्वजनिक बांधकाम के हरने आदि में मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया तथा जल्द ही बंधारे के निर्माण में होने वाली बाधाओ को दूर कर पुलिया पर बंधारे निर्माण का कार्य सुरु होंगा ।

विद्यार्थियों ने ली विभिन्न योजनाओं की जानकारी जिला सूचना विभाग के फोटो प्रदर्शनी को मिला प्रतिशाद

बुलंद गोंदिया। जिला सूचना विभाग व सामाजिक न्याय विभाग के संयुक्त तत्वाधान में अनुसूचित जाति वह जनजाति वर्ग के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की छायाचित्र प्रदर्शनी में अंतिम दिन विद्यार्थियों द्वारा पहुंचकर जानकारी लेकर विभिन्न योजनाओं को जाना। गोंदिया एजुकेशन संस्था द्वारा चलाए जा रहे एस. एस. गर्ल्स कॉलेज के विद्यार्थियों ने एग्जीबिशन देखी। प्रिंसिपल डॉ. शारदा महाजन ने आज अपने कॉलेज की B.A. थर्ड ईयर, B. A. फर्स्ट ईयर, B. S. C. सेकंड ईयर और 11th आर्ट्स एंड साइंस की स्टूडेंट्स को एग्जीबिशन देखने के लिए भेजा। इन स्टूडेंट्स के साथ कॉलेज के प्रोफेसर भी मौजूद थे। कॉलेज स्टूडेंट्स और प्रोफेसर्स ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह एग्जीबिशन बहुत जानकारी देने वाली थी। तीन दिन की एग्जीबिशन का उद्घाटन एडिशनल उप जिलाधिकारी मीनाज मुल्ला ने किया। इस एग्ज़िबिशन में 0 से 100 वर्ष तक के लोगों के लिए अनुसूचित जाति की कुल 46 स्कीम दिखाई गईं। साथ ही, यहां LED पर अनुसूचित जाति की स्कीमों के जिंगल ऑडियो और वीडियो दिखाए गए। सरकारी काम से एडमिनिस्ट्रेटिव बिल्डिंग आने वाले लोगों ने भी इस एग्ज़िबिशन का फ़ायदा उठाया। नेशनल वॉलंटियर स्कीम के स्टूडेंट्स ने भी यहां विज़िट किया। इसके साथ ही, अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी एग्ज़िबिशन में दिखाई गई स्कीमों को देखा और उनके बारे में जानकारी ली।

शिवरात्रि पर कामठा के संत श्री लहरी आश्रम में हजारों उमड़े भक्त किया दर्शन

बुलंद गोंदीया। महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर हजारों भक्त कामठा में संत श्री लहरी बाबा आश्रम (मध्यकाशी) में स्थित शिव मंदिर में पूजा करने के लिए उमड़े। संस्थान के अध्यक्ष परम पूज्य संत तुकडया बाबा की मुख्य मौजूदगी में कई धार्मिक कार्यक्रम हुए। तुकडया बाबा के साथ साईंबाबा संस्था, शिरडी के पूर्व अध्यक्ष गोपीनाथ कोठे पाटिल, इंडियन रिज़र्व बटालियन की अधीक्षक भाग्यश्री नवटक्के , विधायक विनोद अग्रवाल, पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल ने महारुद्राभिषेक में हिस्सा लिया। साथ ही संस्था के सचिव गोविंद मेश्राम, कोषाध्यक्ष गोपाल मते, ट्रस्ट बोर्ड के सदस्य मनोज राउत, दीपक कुंदनानी, विजय सातपुड़े, जयंत खरकाटे, एड. अनिल ठाकरे, रामकृष्ण वाघाड़े, अरुण मते, मनोहर गोन्नाडे, विट्ठलराव भरणे, विनायक कुंभारे, शंकरलाल कुंदनानी, संजय दानाव, अरुण हाडगे एवं अन्य मौजूद थे। कोठे पाटिल और विधायक अग्रवाल ने भक्तों की अच्छे इंतज़ाम के लिए तारीफ़ की। इस मौके पर शिव मंदिर को खूबसूरती से सजाया गया था। संत जयरामदास आश्रम स्कूल के विद्यार्थियों को स्कूल यूनिफॉर्म दी गईं। सुबह से ही भक्तों की लंबी लाइन लगी हुई थी और शिव मंदिर में माथा टेकने के बाद भक्तों ने संत श्री जयरामदास उर्फ लहरी बाबा की समाधि के भी दर्शन किए। हजारों भक्तों ने महाप्रसाद भी ग्रहण किया। विवेकानंद खरकाटे, विकास राजुरकर, अविनाश चौधरी, मोहन गौरखेड़े, अर्पित धोटे, विजय खोके, आशीष कुरमभट्टी, गोपाल माने, राजू खैरवार, राधेश्याम सिंगनधुपे, राजनारायण सोनी, जितेंद्र लिल्हारे, प्रशांत मेंढे, गौरव देवांगन, विजय बावनथड़े, रेमन चौधरी, भारती कुरमभट्टी, जयश्री खरकाटे, लीला लिल्हारे, सोनू बारापात्रे, जागृति लिल्हारे, अश्विन पचारे, चेतना खरकाटे, भूमिका खैरवार, सृष्टि खरकाटे और अन्य लोगों ने आयोजन को सफल बनाने में मदद की।

खुदाई के कार्यो की वजह से दूरसंचार नेटवर्क में रुकावट आने पर कार्रवाई होगी

बुलंद गोंदिया। जिले में अलग-अलग डेवलपमेंट के कामों के दौरान सरकारी और प्राइवेट एजेंसियों की खुदाई की वजह से टेलीकम्युनिकेशन नेटवर्क में रुकावट आती है। इस वजह से ऑनलाइन एप्लीकेशन भरने के साथ-साथ मोबाइल कनेक्टिविटी, सरकारी स्कीम का फायदा उठाने वगैरह जैसी कई दिक्कतें आती हैं। इसे दूर करने के लिए टेलीकॉम डिपार्टमेंट ने %कॉल बिफोर यू डाई% ऐप बनाया है। जिला प्रशासन ने खुदाई का काम करने वाली एजेंसियों या प्राइवेट एजेंसियों के JCB मालिकों से इस ऐप पर रजिस्टर करने की अपील की है।

जिले भर में बिना रुकावट टेलीकम्युनिकेशन नेटवर्क पक्का करने और जिले में टेलीकम्युनिकेशन इंफ्रास्ट्रक्चर के कंस्ट्रक्शन के संबंध में आने वाली शिकायतों को दूर करने के लिए एक जिला-लेवल कमेटी बनाई गई है। इस समय, बनाई गई कमेटी का विस्तार किया जाए और इस काम में शामिल सरकारी अधिकारियों, कर्मचारियों और कॉन्ट्रैक्टर के लिए एक वर्कशॉप करके इस बारे में सही गाइडेंस दी जाए, अपर जिलाधिकारी मीनाज मुल्ला ने निर्देश दिए।

सभा में मुख्याधिकारी न .प . सालेकसा/आमगांव प्रमोद कांबले, मुख्याधिकारी . गोंदिया संदीप बोरकर, BSNL गोंदिया उमेशनाथ मिश्रा, सुरेश ठाकरे, BSNL नागपुर आशीष संधी, प्रमोद रामटेके, फॉरेस्ट डिपार्टमेंट गोंदिया विजय धांडे मौजूद थे।

खुदाई कार्य के दौरान टेलीकम्युनिकेशन इंफ्रास्ट्रक्चर में रुकावट आने पर, नुकसान की गंभीरता के आधार पर 3 साल तक की जेल और 2 करोड़ तक का जुर्माना या दोनों का प्रावधान है। इसलिए, सिस्टम से खुदाई करवाने वाले कॉन्ट्रैक्टर, JCB ड्राइवर वगैरह अगर कॉल बिफोर यू डिगिंग पर रजिस्टर करते हैं, तो संबंधित सर्विस प्रोवाइडर को इसकी जानकारी मिल जाएगी और खुदाई से होने वाले नुकसान से बचा जा सकेगा।

इस मौके परअपर जिलाधिकारी मीनाज मुल्ला ने कहा, जिले में टेलीकम्युनिकेशन से जुड़ी टेक्निकल दिक्कतों, टावर बनाने में आ रही दिक्कतों, इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने और दूसरी दिक्कतों को हल करने के लिए यह मीटिंग रखी गई थी। सरकारी योजनाओं का फायदा ऑनलाइन देने के लिए जिले के आखिरी छोर तक मोबाइल नेटवर्क होना जरूरी है। इसलिए, बिना रुकावट सर्विस देने के लिए एडमिनिस्ट्रेशन के साथ-साथ सर्विस प्रोवाइडर्स का भी सहयोग ज़रूरी है। उन्होंने यह भी अपील की कि अगर इस बारे में कोई दिक्कत हो तो तुरंत डिस्ट्रिक्ट एडमिनिस्ट्रेशन को

संत सेवालाल महाराज को जयंती पर किया अभिवादन पुलिस अधीक्षक कार्यालय में हुआ कार्यक्रम

गोंदिया-पुलिस अधीक्षक कार्यालय में महापुरूष व समाजसुधारक संत सेवालाल महाराज की जयंती 15 फरवरी को मनाई गई। इस दौरान पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे के हस्ते संत सेवालाल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अभिवादन किया गया। इसके पश्चात पुलिस कांस्टेबल पल्लवी गजभिये ने संत सेवालाल के जीवन पर विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे सहित पुलिस विभाग के पुलिस अधिकारी-कर्मचारी व अमलदार बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

राष्ट्रीय प्रतियोगिता में संस्कार स्कूल के छात्रों ने प्राप्त किया दूसरा स्थान

बुलंद गोंदिया। महाराष्ट्र राज्य मॉन्टेक्स बॉल क्रिकेट एसोसिएशन और नेशनल मॉन्टेक्स बॉल क्रिकेट फेडरेशन ऑफ इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में हाल ही में यवतमाल के गाते शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय में 15वीं राष्ट्रीय मॉन्टेक्स बॉल क्रिकेट चैंपियनशिप 2025-26 का आयोजन किया गया था। इस प्रतियोगिता में जम्मू-कश्मीर, बिहार, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र सहित पूरे भारत के विभिन्न राज्यों की टीमों ने भाग लिया। इस स्पर्धा में संस्कार स्कूल गोंदिया के छात्रों ने 17 वर्ष से कम आयु वर्ग में महाराष्ट्र का प्रतिनिधित्व करते हुए द्वितीय स्थान (रजत पदक) हासिल किया है। महाराष्ट्र की इस अंडर-17 टीम में वन्स जांभुलकर, अर्पित डोंगरे, अंश चिकलोंढे, अंश गजभिये, चित्रांस सहारे, सार्थक बोंबार्डे, यश मानकर, आयुष गेडाम और प्रियांशू चौरे जैसे खिलाड़ी शामिल थे। इन खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन कर महाराष्ट्र के लिए सिल्वर मेडल जीता है। अब भविष्य में होने वाली अंतरराष्ट्रीय मॉन्टेक्स बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए भी इनका चयन किया जाएगा। विशेष यह है कि मॉन्टेक्स बॉल क्रिकेट खेल महाराष्ट्र सरकार की स्कूली खेल प्रतियोगिताओं में वर्ष 2013-14 से शामिल है। सभी विजेता खिलाड़ियों को जिल्हा क्रीडा अधिकारी भोजराज चौधरी, राज्य क्रीडा संघटक दुलिचंद मेश्राम, संस्कार स्कूल के संचालक मधु बनसोड, सतीश बनसोड, प्रधानाध्यापिका जयश्री फुले, कल्पना पाठक और खेल शिक्षिका कुसुम पटले ने बधाई दी है।

इंग्लैंड की यूनिवर्सिटी ऑफ़ वेल्स में विधायक डॉ. परिणय फुके का व्याख्यान

बुलंद गोंदिया (नागपुर)- इंग्लैंड की यूनिवर्सिटी ऑफ़ वेल्स ने डॉ. परिणय फुके को 16 फरवरी से 20 फरवरी तक होने वाले एक सेमिनार के लिए बुलाया है। यह प्रोग्राम यूनिवर्सिटी ऑफ़ वेल्स के लैम्पेटर कैंपस में होगा। इंग्लैंड की यूनिवर्सिटी ऑफ़ वेल्स ने 16 फरवरी से शुक्रवार, 20 फरवरी तक महाराष्ट्र लेजिस्लेटिव असेंबली के चुने हुए मेंबर्स के लिए गुड गवर्नेंस और पब्लिक पॉलिसी पर एक सेमिनार रखा है। इसके लिए डॉ. परिणय फुके को चुना गया है। यूनिवर्सिटी ऑफ़ वेल्स के लैम्पेटर कैंपस में होने वाले इस सेमिनार के लिए डॉ. फुके 15 फरवरी तक लंदन में रहेंगे। डॉ. परिणय फुके लेजिस्लेटिव काउंसिल, यानी अपर हाउस के लिए चुने गए हैं। राज्य मंत्री के तौर पर उन्होंने पब्लिक वर्क्स, ट्राइबल डेवलपमेंट और फॉरेस्ट डिपार्टमेंट की ज़िम्मेदारी संभाली है। MBA और PhD कर चुके डॉ. फुके ने म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन से कॉर्पोरेटर के तौर पर अपना करियर शुरू किया था। उसके बाद उन्होंने लेजिस्लेटिव काउंसिल के मेंबर और राज्य मंत्री के पद की ज़िम्मेदारी संभाली। इसलिए, गुड गवर्नेंस और पब्लिक पॉलिसी पर उनका व्याख्यानइंग्लैंड की यूनिवर्सिटी ऑफ़ वेल्स के लिए एक ज़रूरी डॉक्यूमेंट होगा।

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटींग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया-४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित । संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र.९४०५२४४६६८। (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है। न्यायालय क्षेत्र गोंदिया ।